सफलता की कहानी...

बीलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति

एक सब के लिए–सब एक के लिए मूलमंत्र को चरितार्थ करती जयपुर जिले की बीलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रदेश की अन्य सहकारी समितियों के लिए एक मिसाल है। समिति सदस्यों के विश्वास का आधार बनी हुई है इसी कारण से ऋण, खाद–बीज आदि के व्यवसाय के साथ ही चारों तरफ व्यावसायिक और निजी बैंक शाखाओं के बावजूद क्षेत्र के ग्रामीणों की जमा का संग्रहण इस समिति में ही हो रहा है। दरअसल समिति से सदस्यों और क्षेत्रवासियों का परिवार की तरह जुड़ाव है और इसका सारा श्रेय समिति के गौरवशाली इतिहास और प्रबंधन को जाता है।

60 साल का गौरवशाली सफर

जयपुर जिले की सांगानेर तहसील के बीलवा व आसपास के गांवों के काश्तकारों की खेती संबंधी जरुरतों को पूरा करने के उद्देश्य से गांव के कुछ किसानों ने मिलकर 21 अक्टूबर, 1956 को बीलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन किया। समिति ने 168 सदस्यों और 2 लाख 56 हजार रु. के कारोबार के साथ काम आरंभ किया, आज समिति के 2858 सदस्य और वार्षिक कारोबार भी बढ़कर 6 करोड़ 17 लाख हो गया है। सदस्यों के विश्वास का ही परिणाम है कि समिति में 45 करोड़ 75 लाख रुपए से अधिक जमाएं संग्रहित है। समिति के कार्य क्षेत्र में चार ग्राम पंचायतें व 17 गांव आते है। आसपास के क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरी और औद्योगिकरण के बावजूद समिति विकास के पथ पर अग्रसर है। समिति में निर्विरोध निर्वाचित संचालक मण्डल कार्यरत है। समिति के अध्यक्ष श्री राम सिंह राजावत, संचालक मण्डल के सदस्य, व्यवस्थापक, अन्य कार्मिक व सदस्यगण समिति के विकास के संकल्प के साथ परस्पर समन्वय व सहयोग के साथ काम करते है, उसी का परिणाम है कि समिति के मिनी बैंक में जमाओं का स्तर 45 करोड़ रुपए से अधिक है। कहा जाता है कि समिति के सदस्य अपनी बचत की राशि समिति के मिनी बैंक में ही जमा कराते हैं। जमा संग्रहण की दृष्टि से आज यह समिति देश में तीसरे स्थान पर है यह प्रदेश के सहकारी परिवार के लिए गौरव की बात है तो अन्य सहकारी समितियों के लिए मिसाल।

कारोबार

बैंक के सहयोग से अन्य सभी प्रकार का अल्पकालीन ऋण वितरण लगातार किया जा रहा है।

समिति क्षेत्र में वर्तमान में 4 ग्राम पंचायत एवं 17 गांव सम्मिलित है तथा लगभग 2858 समिति सदस्य बने हुए हैं। समिति द्वारा सदस्यों को फसली सहकारी ऋण, मध्यकालीन ऋण और महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण, खाद–बीज, कीटनाशक (पेस्टीसाइड), कृषि यंत्र एवं पशु आहार इत्यादि उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। समिति का फसली ऋण व्यवसाय 2011–12 में एक करोड़ 42 लाख रुपए था जो 31 मार्च 16 को बढ़कर 3 करोड़ 96 लाख रु. हो गया है। इसी तरह से 73 लाख रुपए का मध्यकालीन ऋण और 14 लाख 96 हजार रुपए का स्वयं सहायता समूहों को वित पोषण किया गया है। समिति का उर्वरक कारोबार 31 मार्च 16 को एक करोड़ 32 लाख रु. का रहा है। समिति के ऋणों की वसूली 99.68 प्रतिशत और एनपीए का स्तर 0.32 प्रतिशत तक सीमित होना समिति के बेहतर आर्थिक स्वास्थ्य का परिचायक है। समिति के पास ईसी व एनसीडीसी योजना में वित्तीय सहयोग से 250 टन के गोदाम, 4 दुकानें तथा कॉफ्रेन्स हाल, मिनी बैंक कार्यालय सहित फोर लेन हाइवे से सटा हुआ लगभग 200 वर्गगज परिसर विद्यमान है।

संचित लाभ, लाभांश का वितरण

बिलवा ग्राम सेवा सहकारी समिति निरंतर लाभ में काम कर रही है। 31 मार्च 15 को समिति का संचित लाभ एक करोड़ 55 लाख 80 हजार रु. हो गया है। इस वर्ष समिति का वार्षिक लाभ एक करोड़ 52 लाख रु. से अधिक रहा है। समिति द्वारा दिनांक 31 मार्च, 2015 तक 21.36 लाख का लाभांश अपने सदस्यों को वितरित किया गया है। समिति प्रतिवर्ष अपने सदस्यों को लाभांश वितरण करती है। समय पर समिति की प्रतिवर्ष ऑडिट कराई जाकर आमसभा आयोजित की जाती है, जिसमें लाभांश वितरण के साथ ही समिति के भावी विकास की रूपरेखा तय करने में सदस्यों द्वारा अपनी भूमिका निर्वाहित की जाती है।

भावी कार्ययोजना

समिति द्वारा मिनी बैंक सदस्यों के लिए लॉकर्स उपलब्ध कराना, उपभोक्ता वस्तुओं हेतु मिनी सुपर मार्केट प्रारम्भ करना, गैस एवं सीमेन्ट एजेन्सी प्राप्त करना आदि कार्य किए जाने प्रस्तावित है। समिति द्वारा यद्यपि कम्प्यूटर पर कार्य किया जा रहा है किन्तु समिति द्वारा पूर्ण रूप से कम्प्यूटराइज्ड प्रक्रिया विचाराधीन है।